K. K. Yadav B.A. III भूगोल

Saathi

Date / /

प्र० कार्बन चक्र का वर्णन कीजिए?

उ० कार्बन चक्र

पौधे वायु की कार्बन डाई आक्साइड का प्रयोग प्रकाश संश्लेषण मे करते है और कार्बोहाइड्रेड बनाते है इस प्रक्रिया मे पौधे प्रति वर्ष वायु की कार्बन डाई आक्साइड से 2000 खरब टन कार्बन प्राप्त करते है यदि वायु मे कार्बन डाई आक्साइड की इस कमी को पूरा करने का कोई साधन न हो तो एक दिन ऐसा आ सकता है जबकि यह गैस वायु से बिल्कुल लुप्त हो जाये परन्तु ऐसी सम्भावना नही है क्योकि लकड़ी और कोयले के जलने से जीवो के श्वसन से तथा भूमि मे कार्बनिक पदार्थो के सड़ने से कार्बन डाई आक्साइड निरन्तर बनती रहती है ध्यान देने योग्य बात य है कि इस प्रकार जो कार्बन डाई आक्साइड वायु से मिलती है उसका 95% भाग जीवाणुओ की क्रियाशील के कारण है ये जीवाणु ही मृत जीवो को सड़ते है जिसके फलस्वरूप कार्बन डाई आक्साइड विमुक्त होती है।

जल मे भी यह गैस घुली हुई अवस्था मे मिलती है इसकी क्रिया अन्य तत्वो है

Page No.

Saathi

Date ___/___/___

जैसे सोडियम कैल्शियम आदि से होती है और कार्बोनेट्स बनते है कैल्शियम कार्बोनेट के प्रभावी चूने के रूप मे मिलती है ऋतु के प्रभाव तथा अम्लो की क्रिया से इनमे टुट फूट होती है और कार्बन डाई आक्साइड गैस पुन: बनती है जो वायुमण्डल मे मिल जाती है इस प्रकार हम देखते है कि जल की कार्बन डाइ आक्साइड हरे पौधे मे प्रवेश करती है और प्रकाश संश्लेषण द्वारा विभिन्न भोज्य पदार्थो का निर्माण करती है ये पदार्थ पौधो से जन्तुओ तक पहुचते है इनमे होने वाली जैविक क्रियाओ के फलस्वरुप तथा मृत जीवो के अपघटन के कारण कार्बन डाई आक्साइड एक बार फिर वायु मे मिल जाती है

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया